Annual Status of Education Report

असर ASER 2014 RURAL

Facilitated by PRATHAM

असर 2014
ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट

मुख्य निष्कर्ष

जनवरी 2015

असर 2014

- असर घरों में किया जाने वाला एक वार्षिक सर्वेक्षण है, जिसमें बच्चों के नामांकन और पढ़ने और गणित के बुनियादी शिक्षण स्तरों की जाँच की जाती है|
- प्रत्येक गाँव में एक सरकारी स्कूल का भी अवलोकन किया जाता है|
- यह सर्वेक्षण प्रथम द्वारा सुगमित किया जाता है पर प्रत्येक ज़िले में एक स्थानीय संगठन या संस्था के स्वयंसेवक ही यह सर्वेक्षण करते हैं|
- इस वर्ष 243 डाईट केन्द्रों (DIET) ने असर के साथ भागीदारी की| बाकी के सहयोगी कॉलेज, विश्विद्यालय और गैर सरकारी संगठन थे|
- असर 2014 असर का दसवां रिपोर्ट है|

असर 2014 के बारे में कुछ बुनियादी तथ्य

- 577 ग्रामीण जिलों तक पहुँचे
- प्रत्येक ज़िले में 30 रैंडम रूप से चुने गए गाँव
- प्रत्येक गाँव में 20 रैंडम रूप से चुने गए घर
- चुने हुए घरों के सभी 3-16 आयुवर्ग के बच्चे

- 500+ संस्थाओं/संगठनों ने हिस्सा लिया
- 1,000+ मास्टर ट्रेनर जुटे
- 16,497 गाँवों का दौरा किया
- 25,000 स्वयंसेवियों ने हिस्सा लिया
- 341,070 घरों तक पहुँचे
- 569,229 बच्चों का सर्वेक्षण किया

असर सर्वे का सैम्पल NSS के सैम्पल से बड़ा है

क्या बच्चे स्कूल में नामांकित हैं?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

क्या भारत में बच्चे स्कूल जा रहे हैं?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

स्कूल में नामांकन

ग्रामीण भारत के 96.7% बच्चे (6-14 आयुवर्ग के) स्कूल में नामांकित हैं|

यह लगातार छठा साल है जब स्कूल में नामांकन 96% या उससे अधिक है|

स्कूल में उपस्थिति

सितम्बर, अक्टूबर या नवंबर के महीने में एक रैंडम दिन के स्कूल अवलोकन से पता चलता है कि नामांकित बच्चों में से 71% ही उपस्थित हैं|

हालांकि राज्यों के दैनिक उपस्थिति के आँकड़ों में बहुत भिन्नताएँ हैं|

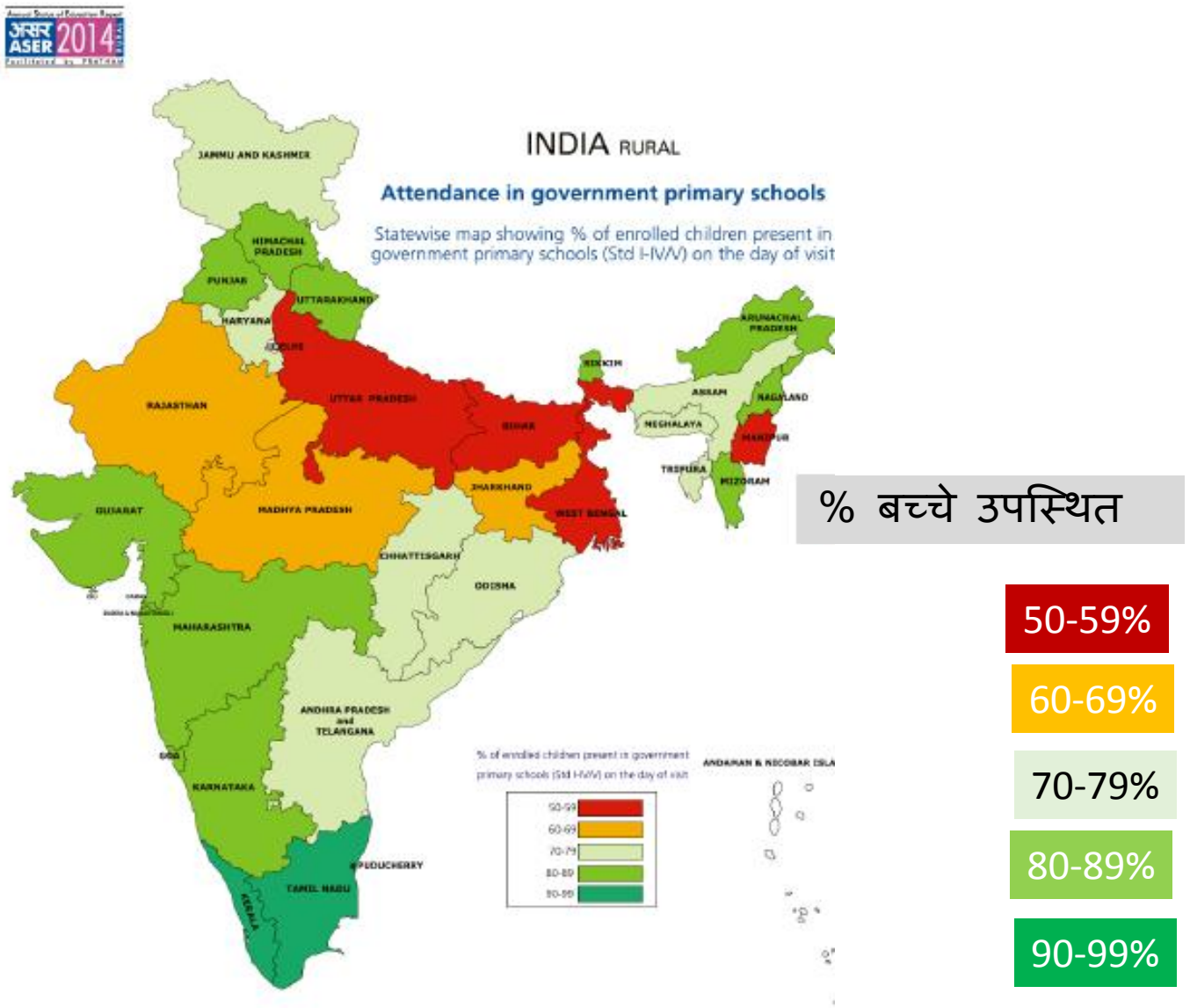

बच्चे किस प्रकार के स्कूल में नामांकित हैं? समय के साथ बदलाव?

नीजी स्कूलों में नामांकन

6 से 14 आयुवर्ग के बच्चों का नीजी स्कूलों में नामांकन साल दर साल बढ़ रहा है|

समय के साथ नामांकन दरों के विकास के स्तर और गति में विभिन्न राज्यों में विविधता दिखाई देती है|

6-14 आयुवर्ग के बच्चों का % जो नीजी स्कूलों में नामांकित हैं: सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण)

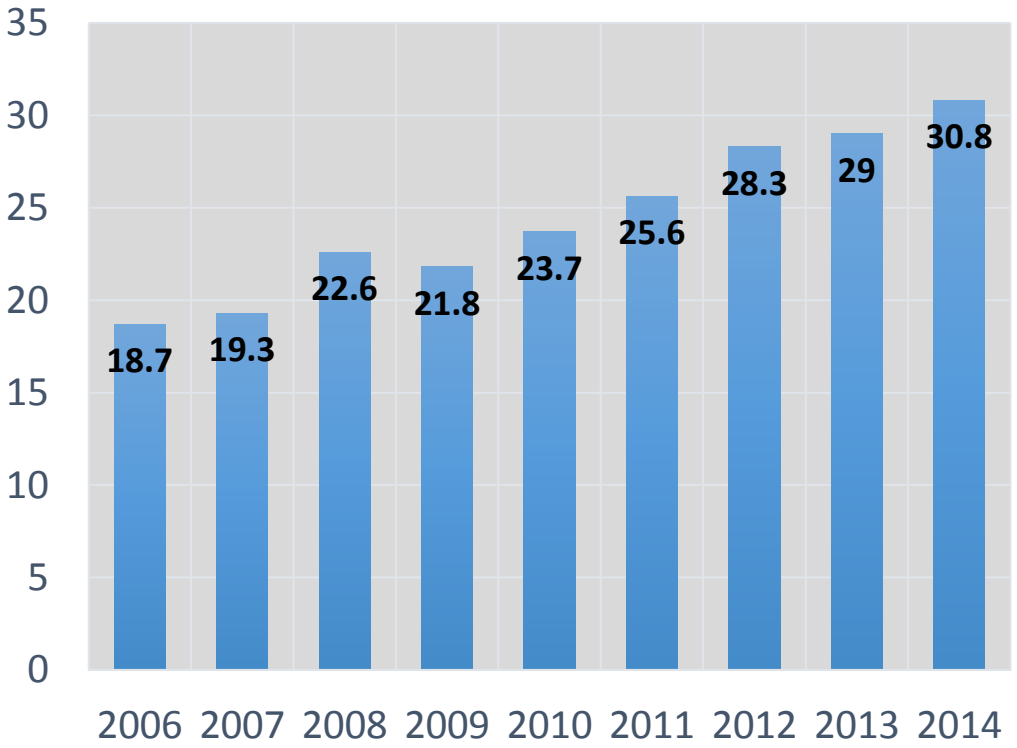

कक्षा I-VIII के बच्चों का % जो नीजी विद्यालयों में नामांकित हैं: चयनित राज्य

राज्य का नाम	2006	2013	2014
पंजाब	41.6	45.2	49.3
हरियाणा	44.4	49.7	53.6
राजस्थान	27.9	41.2	43.5
उत्तर प्रदेश	32.2	50	52.8
पश्चिम बंगाल	3.7	6.5	8.4
उदिशा	4.7	7.4	8.9
बिहार	13.7	7.7	11.2

निजी स्कूल में अधिक नामांकन वाले राज्य

अधिक निजी ट्यूशन वाले राज्य

क्या बड़ी आयु की लडकियाँ स्कूल जाती हैं? क्या वे स्कूल जाना जारी रख पाती हैं?

11-14 आयुवर्ग की लड़कियों का % जो विद्यालय नहीं जा रही
असर: 2006-2014
चयनित राज्य

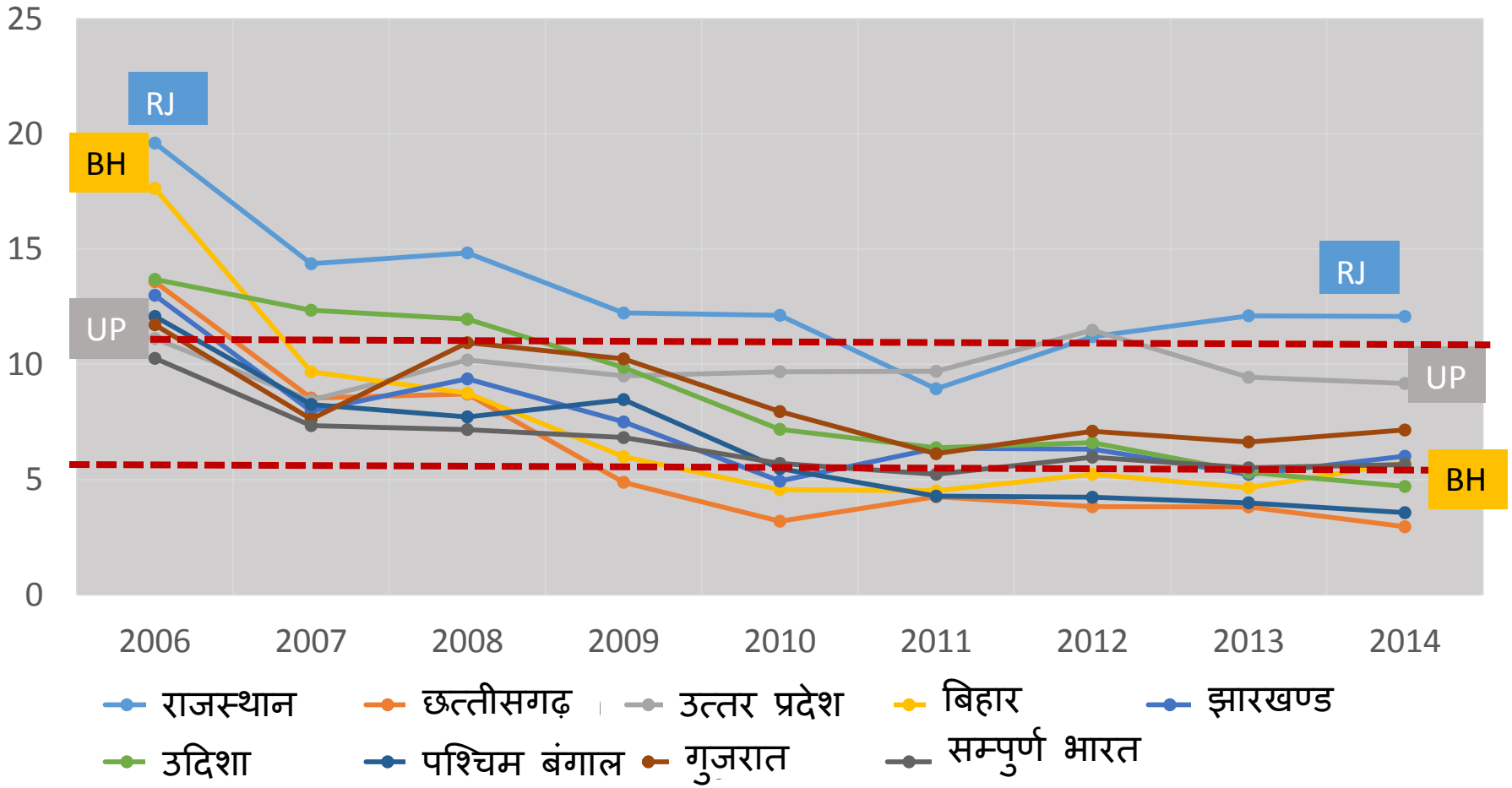

2006: ऐसे राज्य दिखाए गए हैं जहाँ स्कूल नहीं जाने वाली लड़कियों (11-14 आयुवर्ग) का % 2006 में 10% से अधिक था|

2014: राजस्थान और उत्तर प्रदेश को छोड़कर कई राज्यों में यह आँकड़ा गिरकर 5% के करीब आ गया है और यह लगातार नीचे ही रहा है|

बिहार में यह गिरावट सबसे अधिक दिखी| 2006 में 17.6% से गिरकर 2014 में यह 5.7% हो गई|

स्कूल कैसे हैं?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

क्या स्कूली सुविधाओं में सुधार है?

असर 2014 के सर्वेक्षण में प्राथमिक कक्षाओं वाले 15,206 स्कूलों का अवलोकन किया गया|

% स्कूल	2010	2014
जो छात्र-शिक्षक अनुपात को पूरा करते हैं	38.9	49.3
जो कक्षा-शिक्षक अनुपात को पूरा करते हैं	76.2	72.8
जहाँ अवलोकन के दिन मध्याह्न भोजन परोसा गया	84.6	85.1
जहाँ चारदीवारी है	51	58.8
जहाँ खेल का मैदान है	62	65.3

पेयजल की उपलब्धता वाले स्कूल:
72.7% (2010) से 75.6% (2014)

स्कूल जहाँ उपयोग करने योग्य शौचालय हैं:
47.2% (2010) से 65.2% (2014)

स्कूल जहाँ लड़कियों के लिए उपयोग करने योग्य शौचालय हैं:
32.9% (2010) से 55.7% (2014)

छोटे प्राथमिक स्कूलों (60 या उससे कम बच्चों के नामांकन वाले) का % 27.3% (2010) से बढ़कर 36% (2014) हो गया है|

पुस्तकालय की किताबों वाले स्कूल:
62.6% (2010) से 78.1% (2014)

कम्प्यूटर वाले स्कूल:
15.8% (2010) से 19.6% (2014)

स्कूली सुविधाओं में समय के साथ सुधार हुआ है|

क्या बच्चे सीख रहे हैं?

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

2014 में बच्चे कितनी अच्छी तरह पढ़ रहे हैं?
पढ़ने का स्तर: सम्पूर्ण भारतीय (ग्रामीण)

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

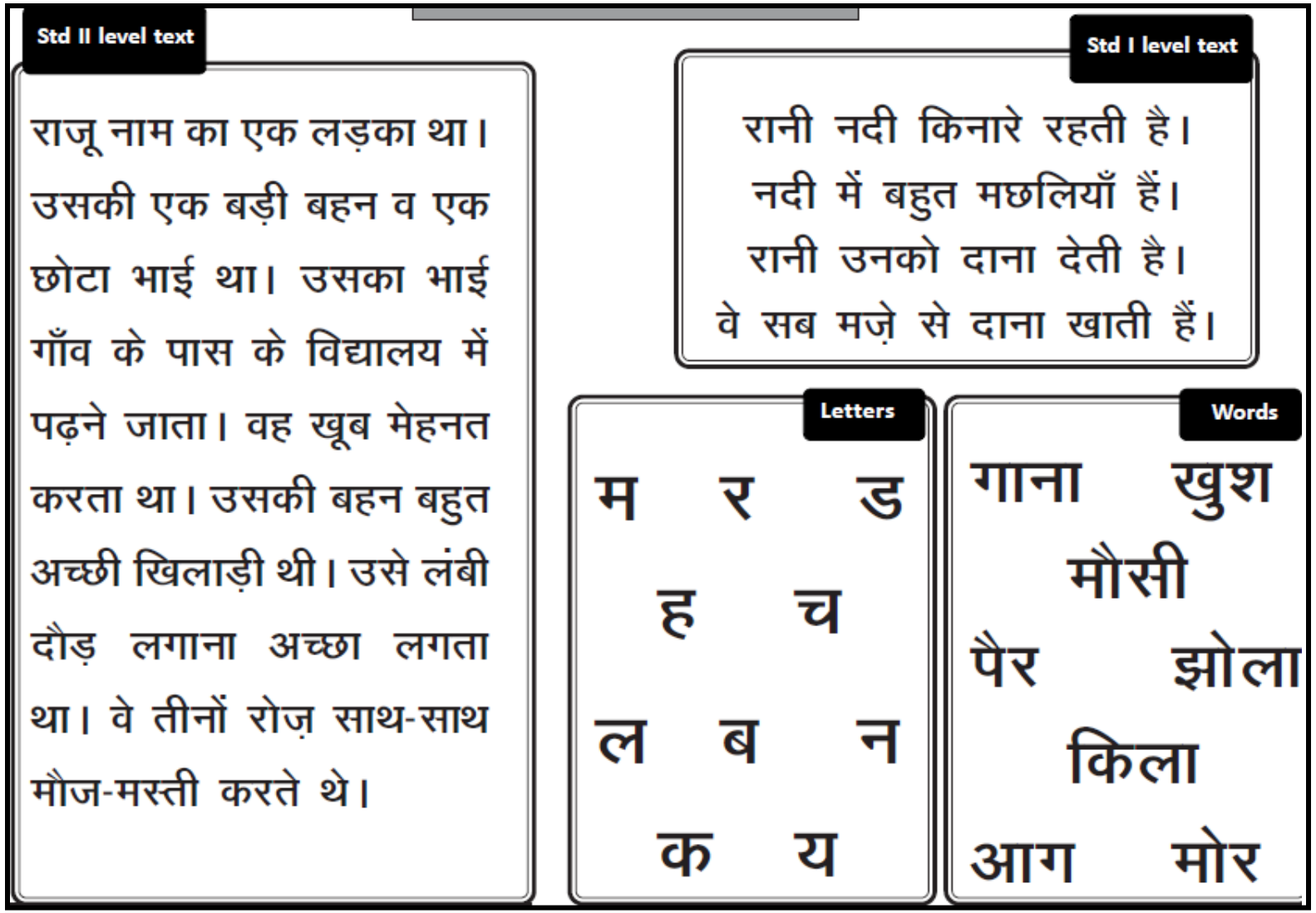

विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे उन बच्चों का % जो कक्षा 2 के स्तर का (या उच्च) पाठ पढ़ सकते हैं	
कक्षा	सभी बच्चे
Std III	23.6
Std V	48.1
Std VIII	74.6

- कक्षा 5 में नामांकित सभी बच्चों में से लगभग आधे बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ नहीं पढ़ पाते हैं|
- पढ़ना एक मूलभूत क्षमता है|
- <u>अच्छी तरह पढ पाने में असक्षम बच्चा शिक्षा व्यवस्था में आगे नहीं बढ सकता|</u>

समय के साथ पढ़ने के स्तर में कितना बदलाव आया है?

समय के साथ कक्षा 5 में पढ़ने का स्तर: सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण)

कक्षा 5 के उन बच्चों का % जो कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं
असर 2008-2014
सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण)

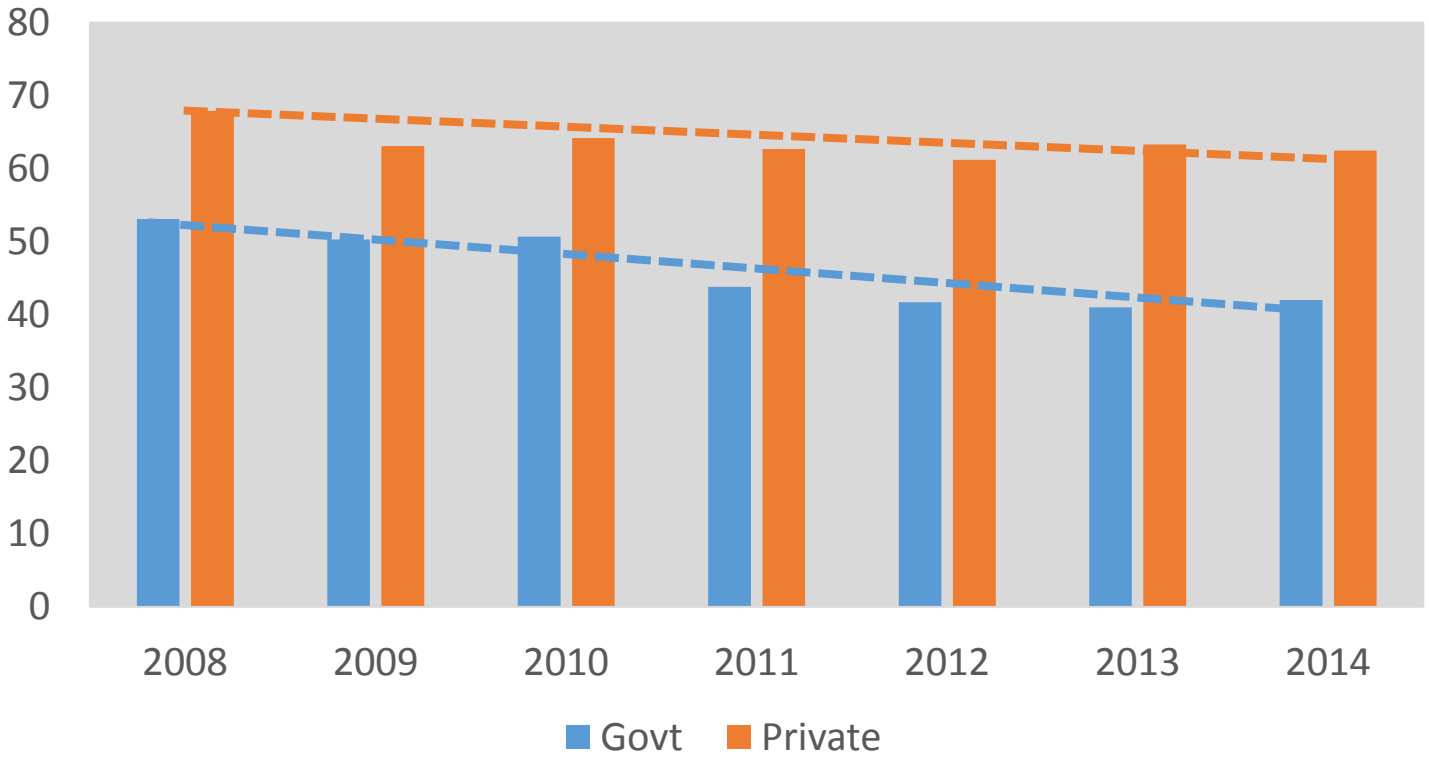

"कम" और "ठहरे हुआ"

- सरकारी स्कूलों में कक्षा 5 में नामांकित बच्चों के लिए, 2010 और 2012 के बीच पढ़ने के स्तर में गिरावट आने के अलावा समय के साथ पढ़ने के स्तर "कम" और "ठहरे हुए" हैं|
- नीजी स्कूलों में भी कक्षा 5 में पढ़ने का स्तर अच्छा नहीं है|
- सरकारी और नीजी स्कूलों में नामांकित बच्चों के पढ़ने के स्तर में समय के साथ फासला लगातार बढ़ रहा है|

प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने के बुनियादी स्तर में सुधार के लिए क्या किया जा सकता है?

कक्षा: Std III-V

असर 2014: पढ़ने के विभिन्न स्तरों पर बच्चों का % सभी बच्चे: सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण)						
कक्षा	अक्षर भी नहीं	अक्षर	शब्द	स्तर 1 (कक्षा 1 का पाठ)	स्तर 2 (कक्षा 2 का पाठ)	कुल %
Std III	14.9	25.0	20.0	16.6	23.6	100
Std IV	8.4	17.5	17.9	18.9	37.4	100
Std V	5.7	12.8	14.3	19.1	48.1	100

कक्षा 5 के लिए पढ़ने आँकड़ों को देखें: (अन्य कक्षाओं में भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है)

दो मुख्य बिंदु:

- कक्षा 2 (या उच्च) के स्तर का पाठ पढ़ पाने में सक्षम बच्चों का % लगभग 48% है|
- शेष बच्चे विभिन्न स्तरों पर हैं:
  - करीब 20% बच्चे सिर्फ अक्षर पहचानते हैं या उतना भी नहीं कर पाते|
  - 14% शब्दों को पढ़ लेते हैं लेकिन वाक्य नहीं पढ़ पाते|
  - 19% वाक्य पढ़ लेते हैं लेकिन लंबे पाठ नहीं पढ़ पाते|
- इनमें से प्रत्येक समूह पर विशेष और विशिष्ट ध्यान देने की ज़रूरत है|

कुछ विचारणीय बिंदु:

ग्रेड-स्तर के लिए तैयार की गई पाठ्यपुस्तकें इन बच्चों की कोई मदद नहीं कर सकतीं, जब तक कि वे पढ़ने और समझने में सक्षम नहीं हो जाते|

बच्चे जिस स्तर पर हैं, वहीं से शुरू करने की ज़रूरत है| उन्हें आगे ले जाने के लिए सही विधि को इस्तेमाल करने की ज़रूरत है|

कक्षाओं के अनुसार नहीं बल्कि स्तरों के अनुसार बच्चों के समूह बनाने से शिक्षण को इन बुनियादी क्षमताओं को तेज़ी से हासिल करने के लिए सक्षम और प्रभावी बनाया जा सकता है| इसके बाद इन बुनियादी क्षमताओं के आधार पर और प्रगति की जा सकती है|

प्रारंभिक कक्षाओं में पढ़ने के बुनियादी क्षमताओं में सुधार के लिए क्या किया जा सकता है?

छोटी कक्षाएँ: कक्षा I-II

असर 2010-2014 सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण) सरकारी स्कूलों के बच्चे	
वर्ष	कक्षा 2 के उन बच्चों का % जो अभी अक्षर भी नहीं पहचान सकते
2010	13.4
2011	19.9
2012	24.8
2013	28.5
2014	32.5

कक्षा 2 के अंत तक बच्चे सरल वाक्यों को आसानी से पढ़ पाने में सक्षम होने चाहिए|
इस आधारभूत लक्ष्य को हासिल करने में स्कूलों को सहयोग देने की ज़रूरत है|

ये आँकड़े क्या बताते हैं?

कक्षा 2 में अक्षर न पहचान पाना यह बताता है कि बच्चे ने कक्षा 1 में ज़्यादा कुछ नहीं सीखा|

- कक्षा 1 को हम किस तरह और प्रभावकारी बना सकते हैं?
- क्या कक्षा 1 को स्कूल के सबसे अच्छे शिक्षक को सौंप देना चाहिए?
- क्या स्पष्ट और वास्तविक शैक्षिक लक्ष्यों को निर्धारित किया जा सकता है?
- क्या कक्षा 1 के स्पष्ट लक्ष्यों को हासिल करने के लिए स्कूल अभिभावकों के साथ काम कर सकते हैं?

क्या बच्चे प्रारंभिक कक्षाओं में संख्याओं की पहचान कर पाते हैं?
कक्षा 2 और कक्षा 3 – समय के साथ रुझान: सम्पूर्ण भारतीय (ग्रामीण)

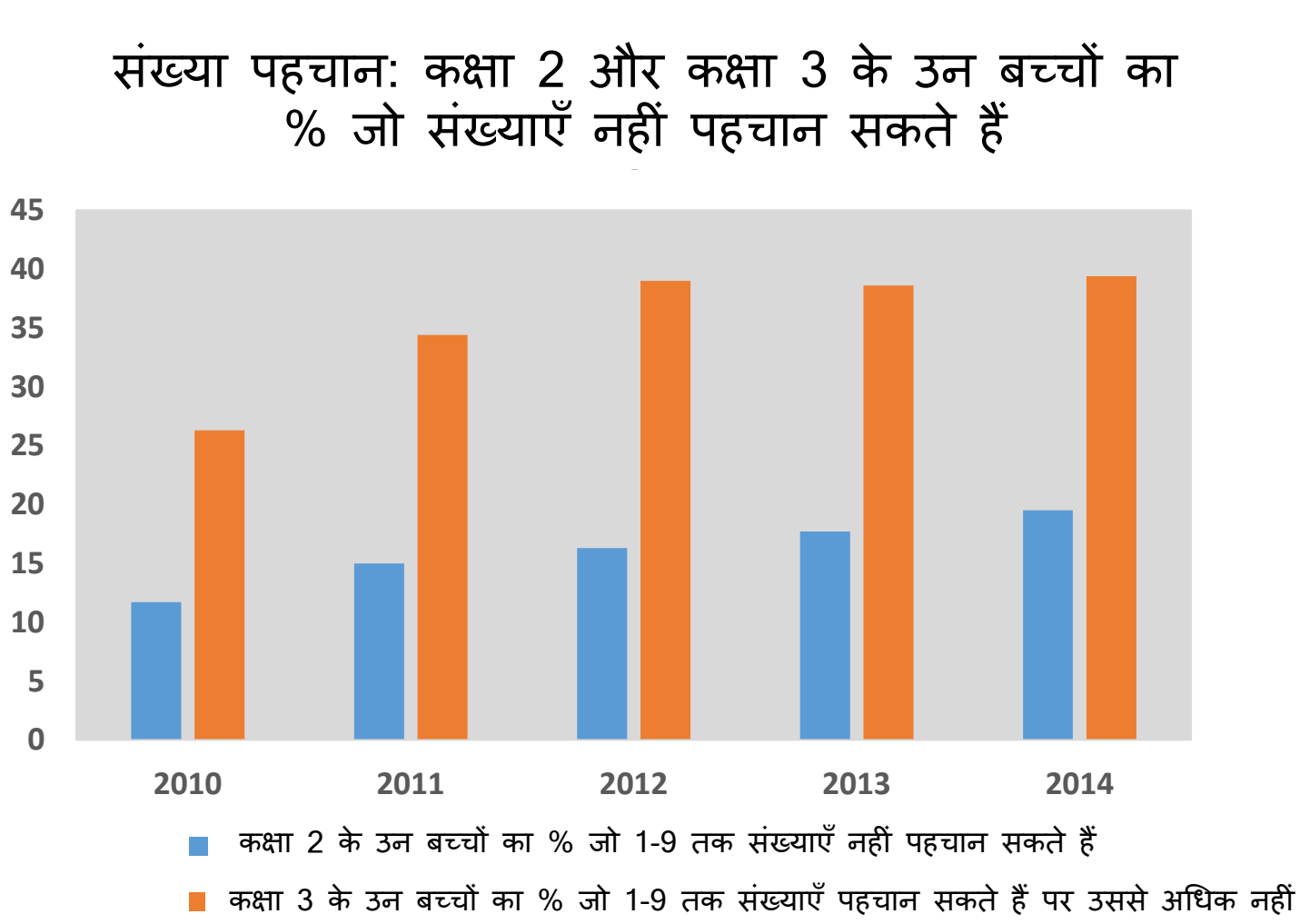

शुरुआती वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं जब बुनियादी क्षमताएं हासिल कर लेनी चाहिए|
शुरूआती वर्षों में मज़बूत बुनियाद के बिना बच्चे प्रगति नहीं कर सकते|

यह चार्ट बताता है कि
(A) कक्षा 2 के बच्चों का बढ़ता % 1 से 9 तक की संख्याएँ नहीं पहचान सकता| इसका मतलब यह है कि बच्चे इन संख्याओं को कक्षा 1 में नहीं सीख रहे हैं|

(B) कक्षा 3 के बच्चों की बढती हुई संख्या 100 तक की संख्यायों को नहीं पहचान सकेती| इसका मतलब यह है कि बच्चे कक्षा 2 में यह नहीं सीख सके|

कक्षा 1 और 2 में विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि इन शुरूआती वर्षों में बुनियादी क्षमताओं को हासिल किए जा सके|

कक्षा 3 और उससे उच्च कक्षाओं में बुनियादी संक्रियाएँ

Annual Status of Education Report
असर ASER 2014 RURAL
Facilitated by PRATHAM

कक्षा 2 के बच्चों से इस तरह के घटाव के प्रश्न को हल करने की अपेक्षा की जाती है

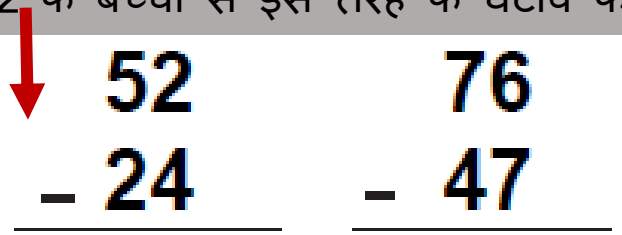

सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण): सभी बच्चे	
असर 2014 कक्षा	उन बच्चों का % जो घटाव कर सकते हैं
Std III	25.3
Std IV	40.2
Std V	50.5

कक्षा 5 के आधे बच्चे उन बुनियादी क्षमताओं को अब तक हासिल नहीं कर पाए जो उन्हें कक्षा 2 तक सीख लेनी चाहिए थीं|

- बुनियादी क्षमताओं के अभाव में बच्चों के लिए ग्रेड-स्तर के पाठ्यक्रम को समझना मुश्किल होगा| उच्च स्तर के पाठ्यक्रम को हल करने के लिए संख्याओं को पहचानना और आत्मविश्वास के साथ बुनियादी संक्रियाओं को हल कर पाने की क्षमता हासिल करना आवश्यक है| इसलिए कक्षा-स्तर की पाठ्यपुस्तकों को पढ़ाने पर बहुत से बच्चे पीछे छूट जाते हैं|

- कक्षा 3-5 और कक्षा 5-8 के बच्चों को गणित के प्रारंभिक और आधारभूत क्षमताओं में दक्ष बनाने के लिए विशेष ध्यान और समय देने की ज़रूरत है| बुनियादी क्षमताओं को हासिल करने पर ही वे आगे प्रगति कर पाएंगे|

कक्षा 3 या 4 के बच्चों से इस तरह की भाग के प्रश्न को हल करने की अपेक्षा की जाती है

सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण): सभी बच्चे	
असर 2014 कक्षा	उन बच्चों का % जो घटाव कर सकते हैं
Std V	26.1
Std VI	32.2
Std VIII	44.1

लगभग आधे बच्चे गणित की बुनियादी क्षमताओं को हासिल किए बिना ही आठ साल का स्कूली शिक्षण पूरा कर लेंगे|

समय के साथ बच्चे कितना सीख पाए?
कक्षा 3-6 के उन बच्चों का % जो घटाव कर सकते हैं
समय के साथ बदलाव: सम्पूर्ण भारत (ग्रामीण)

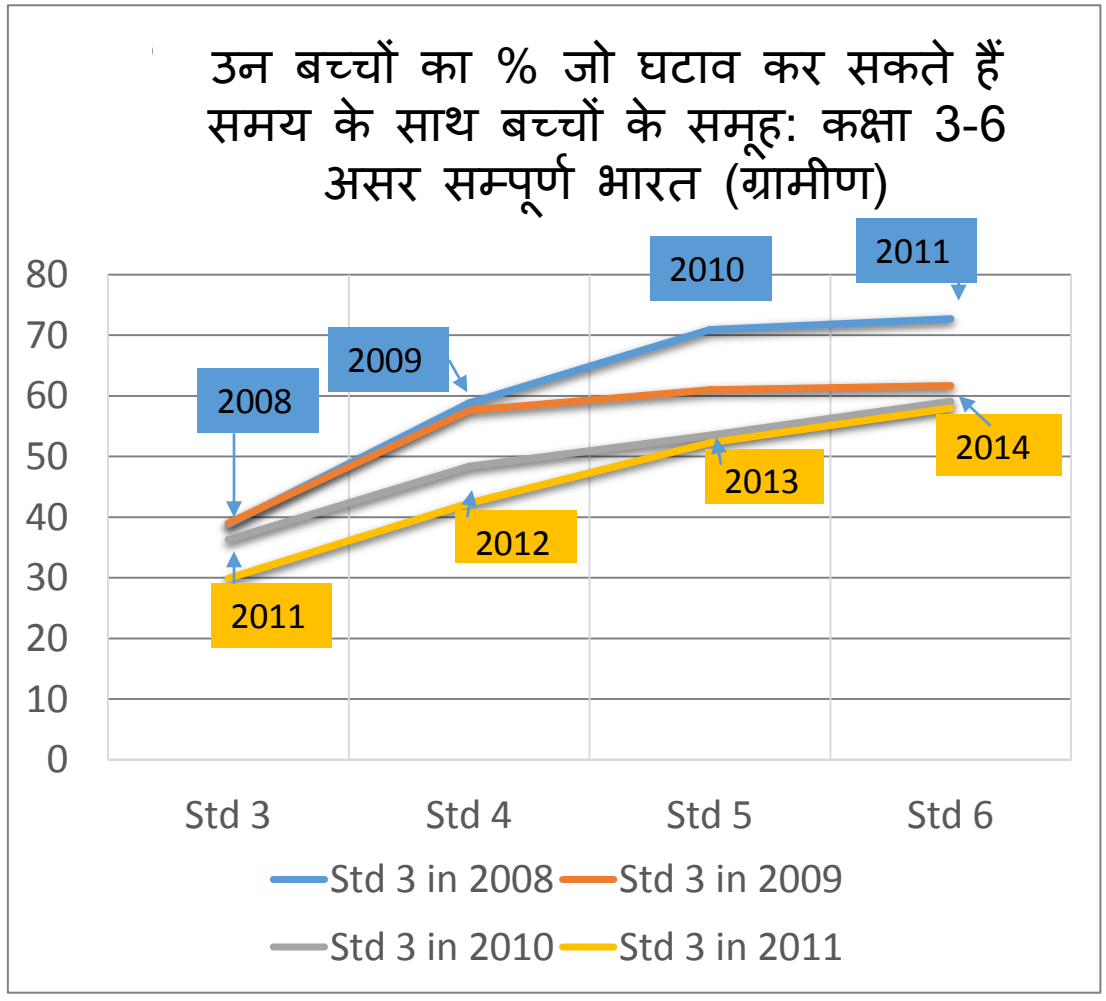

आइये समय के साथ बच्चों के उन समूहों को देखें जो कक्षा 3 से 6 की ओर बढ़े

चार समूह दर्शाए गए हैं: वे जो

- 2008 में कक्षा 3 में थे
- 2009 में कक्षा 3 में थे
- 2010 में कक्षा 3 में थे
- 2011 में कक्षा 3 में थे

तुलनात्मक रूप से कहा जाए तो बच्चों के सबसे पहले के समूह (जो 2008 में कक्षा 3 में और 2011 में कक्षा 6 में था) का प्रदर्शन सबसे अच्छा था|
हर अगले समूह का प्रदर्शन पिछले वाले से खराब रहा|

"लर्निंग कर्व' सपाट है| इसका मतलब है कि स्कूल में शुरुआती वर्षों के बाद बच्चे कुछ खास नहीं सीख पाए|

क्या किया जा सकता है? शिक्षण स्तरों को सुधारने के लिए क्या करना चाहिए?

कक्षा 1 और 2:
कक्षा 1 और 2 पर खास ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि इन शुरूआती वर्षों में बच्चे बुनियादी क्षमताओं को हासिल कर सकें|
इस आयुवर्ग में 5.5 करोड़ बच्चे हैं|

बच्चों को बोलने, चर्चा करने, अपने विचार व्यक्त करने और साथ मिलकर सवालों को हल करने के लिए प्रेरित करना चाहिए|
कक्षा 2 के अंत तक बच्चों को कम से कम इतना आना चाहिए कि वह:

- सरल वाक्य पढ़ सकें
- अपने विचारों को लिख सकें
- 100 तक की संख्याओं और इन संख्याओं के साथ बुनियादी संक्रियाएँ करने में सक्षम हों

कक्षा 3, 4 और 5:
डाइस (DISE) 2013-14 बताता है कि इस आयुवर्ग में लगभग 8 करोड़ बच्चे हैं|
इन कक्षाओं के कई बच्चों की मदद के लिए तत्काल ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि वे जल्द से जल्द बुनियादी क्षमताओं को हासिल कर सकें|
बुनियादी क्षमताओं के बिना वे स्कूल में प्रगति नहीं कर पाएँगे|

- जो बच्चे पीछे छोट गए हैं उनको बराबरी पर लाने के लिए स्कूलों को समय निकालना होगा
- स्पष्ट, केंद्रित और प्राप्त किए जाने योग्य शैक्षणिक लक्ष्यों की आवश्यकता है
- इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समूचे तंत्र को सक्रिय करने की ज़रूरत है
- अभिभावकों को शैक्षणिक लक्ष्यों की समझ अवश्य होनी चाहिए

यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर बच्चा प्रारंभिक शिक्षा अर्थपूर्ण ढंग से पूरी कर पाए, तत्काल और ज़रूरी कदम उठाने की ज़रुरत है|

हर बच्चा स्कूल जाए और अच्छे से सीखे

असर ASER
Evidence for Action

अधिक जानकारी के लिए:
सभी असर रिपोर्ट के लिए asercentre.org देखें

शिक्षण स्तरों को बेहतर कैसे बनाया जाए यह देखने के लिए pratham.org पर जाएँ

संपर्क करें:
contact@asercentre.org
info@pratham.org

असर सेंटर/प्रथम
बी 4/54 सफ्दरजंग एन्क्लेव
कमल सिनेमा के पास
नई दिल्ली 110029
फोन: 011 2671 6084

Pratham

हर बच्चा स्कूल जाए और अच्छे से सीखे